आरोप | पुलिस बड़े रसूखदारों को बचाने के लिए मामले को छोटा दिखा रही

1160 करोड़ के घोटाले में कांग्रेस-बीजेपी की मिलीभगत : मुंजारे

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट में 1160 करोड़ रुपए के फोर्टिफाइड चावल घोटाला हो गया लेकिन जिले के एक भी विधायक ने विधान सभा में मामला उठाना जरूरी नहीं समझा। यह बात पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने कहा। उन्होंने कहा कि जिले में कांग्रेस के चार विधायक होने के बाद भी सभी इस बड़े घोटाले पर चुप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बालाघाट और वारासिवनी के विधायक केवल औपचारिकता निभाने के लिए प्लांट का दौरा करके आ गए। जबकि विधानसभा में इस मुद्दे को उठाना चाहिए। सब की मिलीभगत है। 1160 करोड़ रुपए के फोर्टिफाइड चावल का घोटाले में। पुलिस अभी तक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार नहीं की और न ही किसी का नाम उजागर किया। जाहिर सी बात है कि पुलिस का सब पता है वो मामला को रफा दफा करने जांच का बहाना बना रही है।

बालाघाट में एथेनॉल प्लांट के नाम पर हुए फोर्टिफाइड चावल घोटाले पर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने अपनी ही विधायक पत्नी अनुभा मुंजारे सहित कांग्रेस और भाजपा नेताओं पर मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। कंकर मुंजारे ने आरोप लगाया कि मामले की जांच कर रही एसआईटी दबाव में काम कर रही है। पुलिस बड़े रसूखदारों को बचाने के लिए मामले को छोटा दिखा रही है और फरार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है।

यह घोटाला 3 जून को तब सामने आया था जब छिंदवाड़ा जा रहे सरकारी चावल से भरे ट्रक को एक राइस मिल में पकड़ा गया था। पुलिस ने अब तक ट्रक ड्राइवर और ट्रांसपोर्टर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है, लेकिन मुख्य आरोपी एथेनॉल प्लांट के मालिक पिता-पुत्र अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं।

नामों का खुलासा नहीं किया

बालाघाट में 1,160 करोड़ रुपए के फोर्टिफाइड चावल घोटाले में पुलिस अब तक 17 ट्रक जब्त किए जा चुके हैं।

50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ हो चुकी है। 13 से ज्यादा आरोपियों को नामजद कर लिया गया है। हालांकि कुछ नामों का खुलासा नहीं किया गया है। इसमें कई रसूखदार नाम भी शामिल है। एथेनॉल उत्पादन के नाम पर सरकारी फोर्टिफाइड चावल की खरीद-बिक्री में करोड़ों रुपए का खेल चल रहा है।

रेलवे स्टेशन में विधायक अनुभा मुंजारे के साथ ब्रासंस ने ज्ञापन सौंपा

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान आज हुए समारोह में नारेबाजी के साथ ब्राडगेज रेल संघर्ष समिति ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बालाघाट ट्रेनों की लेट लतीफी को लेकर तथा बालाघाट से भोपाल इंदौर की सीधी रेल सेवा की मांग को लेकर फिर एक बार ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप सिंह बैस एवं बालाघाट विधानसभा विधायक अनुभा मुंजारे एवं उनके साथ अनेक आंदोलनकारी साथियों ने बिलासपुर से आए रेल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन में मांग की गई है कि इस समय गोंदिया जबलपुर की सभी ट्रेन निर्धारित समय से विलंब से चल रही है तथा यात्री ट्रेनों को खड़ा रखकर माल गाड़ियों को आगे निकाला जाता है जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वहीं दूसरी ओर बालाघाट से भोपाल इंदौर के लिए जिन ट्रेनों का प्रस्ताव भेजा गया था उसे एक वर्ष से अधिक का समय होने के बाद भी ट्रेनों को प्रारंभ नहीं किया जा सका है ,इसी तरह से डबल रेल लाइन की घोषणा तो कर दी गई किंतु अभी तक न ही भूमि अधिग्रहण किया गया है न ही कार्य से संबंधित किसी प्रकार की निविदा आमंत्रित की गई है इसके अलावा जिन किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई है उन किसानों के मामलों को लंबित करते हुए अब भूमि के बदले नौकरी देने का प्रावधान भी समाप्त कर दिया गया है इसे पुन: प्रारंभ किया जाना चाहिए ज्ञापन सौंपते समय महेंद्र पचौरी सूरज वादगुनेर, डॉक्टर अमर बिसेन राजा नागपुरे, निखिल गौतम अजय बिसेन एवं अनेक ब्राडगेज संघर्ष समिति के कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

कलेक्टर ने की नगरीय विकास कार्यों की समीक्षा

▶ विकास कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के दिये निर्देश

नवभारत, बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को नगरीय निकायों से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक, जिले की सभी तहसीलों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीएमओ एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जल संरक्षण कार्यों में लाएं गति

कलेक्टर श्री मीना ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाबों के संरक्षण, गहरीकरण एवं पुनर्जीवन कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि सभी कार्यों में तेजी लायी जाए और तय समय-सीमा के भीतर उन्हें पूर्ण किया जाए, ताकि जल संरक्षण के उद्देश्य को प्रभावी रूप से साकार किया जा सके।

बैठक में ठोस अवशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आवारा मवेशियों एवं घूमंतु श्वानों के प्रभावी प्रबंधन के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण एवं अन्य प्रक्रियाओं में तेजी लाकर परियोजना को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं गीता भवन की स्थापना की प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में भूमि आवंटन होने के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, उनमें आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही लंबित भूमि आवंटन के सभी मामलों का एक सप्ताह के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

जर्जर भवनों की पहचान कर करें आवश्यक कार्रवाई

बैठक में कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्रों में स्थित जर्जर एवं जोखिमपूर्ण भवनों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करने, आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके।

एक नजर में

जिला विधिक सेवा साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित

नवभारत बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन में प्रियदर्शनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस, बालाघाट में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनों एवं उनके अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश सतीश शर्मा ने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम), 2012 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि यह अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के सभी बालक एवं बालिकाओं को यौन शोषण, उत्पीड़न एवं अन्य लैंगिक अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने अधिनियम के उद्देश्य एवं इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री शर्मा ने छात्र-छात्राओं को मोटरयान अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम-2013, भारतीय न्याय संहिता तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने युवाओं से कानूनों की जानकारी रखने और उनका पालन करने का आह्वान किया।

जिले में 17 जुलाई तक 331 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

नवभारत बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 01 जून से 17 जुलाई 2026 तक कुल 331 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष 2025 में इसी अवधि में 614 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्यी वर्षा 1447 मिलीमीटर है और इसमें से 521 मिलीमीटर वर्षा 01 जून से 17 जुलाई 2026 की अवधि में हो जाना चाहिए।

कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 जुलाई को प्रात: 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान बालाघाट तहसील में 19 मिमी, वारासिवनी में 16 मिमी, बैहर में 04 मिमी, लांजी में 14 मिमी, कटंगी में 17 मिमी, किरनापुर में 12 मिमी, खैरलांजी में 13 मिमी, लालबर्रा में 07 मिमी, बिरसा में 06 मिमी, परसवाड़ा में 01 मिमी एवं तिरोड़ी तहसील में 16 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है।

पीएचई विभाग ने जल स्रोतों की जांच कर ग्रामीणों को किया जागरूक

नवभारत, बालाघाट। जिले में जलजनित बीमारियों की रोकथाम एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा 'डायरिया रोको अभियान' के तहत ग्राम ओरम्हा, टेकाड़ी एवं डोगरबोड़ी में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यपालन यंत्री बी.एल. उइके के निर्देशन में पीएमयू समन्वयक शीतल मिश्रा, हरीश झा एवं ब्लॉक समन्वयक रानी सिंह राजपूत ने गांवों का भ्रमण कर पेयजल स्रोतों का निरीक्षण किया तथा फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) से पानी की गुणवत्ता की जांच की। साथ ही ग्रामीणों को स्वयं पानी की जांच करने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

बरसात के मौसम में डायरिया एवं अन्य जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विभागीय टीम ने हैंडपंपों एवं सार्वजनिक पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन कराया। इसके अलावा ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों को हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन कर स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया। टीम ने भोजन से पहले, भोजन बनाने से पहले तथा शौच के बाद साबुन से हाथ धोने की आदत अपनाने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से हमेशा स्वच्छ एवं ढका हुआ पानी पीने, पेयजल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा दूषित पानी के उपयोग से बचने की अपील की। स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल ही डायरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय है।

प्राध्यापक संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में बालाघाट जिला प्राध्यापक संघ द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों की विभिन्न लंबित मांगों के संबंध में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में उच्च शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापकों एवं अन्य प्राध्यापकों की सेवा संबंधी लंबित समस्याओं के शीघ्र निराकरण, पदोन्नति, वेतनमान एवं अन्य लंबित मांगों के त्वरित समाधान की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने प्राचार्य से आग्रह किया कि ज्ञापन को शासन तक शीघ्र प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर जिला प्राध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. अनिल पंचारिया, महाविद्यालय अध्यक्ष डॉ. आर. एन. झारिया, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी. एस. कातुलकर सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे। सभी ने प्राध्यापकों की लंबित समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु शासन से सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। अंत में प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन शासन के समक्ष नियमानुसार अग्रेषित किया जाएगा।

वन स्टॉप सेंटर की पहल से दो परिवारों में लौटी खुशियां

नवभारत, बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र कुमार सुंदरियाल के मार्गदर्शन में संचालित वन स्टॉप सेंटर, बालाघाट एवं बैहर ने प्रभावी काउंसलिंग और सतत फॉलो-अप के माध्यम से दो परिवारों के लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक विवादों का सफल समाधान कराया। केंद्र द्वारा महिलाओं को कानूनी, मनोसामाजिक एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ संवाद के जरिए टूटते रिश्तों को जोड़ने का भी लगातार प्रयास किया जा रहा है। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि पहले प्रकरण में 35 वर्ष पुराने वैवाहिक संबंध में उत्पन्न विवाद को वन स्टॉप सेंटर की परामर्शदाता द्वारा लगातार काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाया गया। परामर्श के दौरान पति ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए परिवार के साथ पुन: रहने का निर्णय लिया, जबकि पत्नी ने भी रिश्ते को एक और अवसर देने की सहमति जताई।

वहीं दूसरे प्रकरण में दहेज प्रताड़ना एवं घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायत पर दोनों पक्षों की अलग-अलग एवं संयुक्त काउंसलिंग की गई। दहेज प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देने और लगातार समझाइश के बाद ससुराल पक्ष ने अपने व्यवहार में सुधार का आश्वासन देते हुए पीड़िता से क्षमा मांगी और आपसी सम्मान के साथ जीवन शुरू करने का संकल्प लिया।

वन स्टॉप सेंटर की इस पहल से दोनों परिवारों में पुन: विश्वास और सौहार्द का वातावरण बना। विभाग का कहना है कि केंद्र का उद्देश्य केवल संकटग्रस्त महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि जहां संभव हो, संवाद, विश्वास और सकारात्मक परामर्श के माध्यम से परिवारों को पुन: जोड़कर समाज में स्वस्थ एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना भी है।

ब्लैक स्पॉट पर स्ट्रीट लाइट लगाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

नवभारत, बालाघाट। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, यातायात थाना प्रभारी सुश्री यीना रहेंगडाले, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के अधिकारी सहित जिला सड़क सुरक्षा समिति के अन्य सदस्य और संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्राथमिकता के आधार पर लगेंगी स्ट्रीट लाइट

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने जिले के दुर्घटना संभावित क्षेत्रों, जिन्हें 'ब्लैक स्पॉट' के रूप में चिन्हित किया गया है, की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन ब्लैक स्पॉट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था का अभाव है, वहां प्राथमिकता के आधार पर तत्काल स्ट्रीट लाइट लगाई जाए। कलेक्टर ने कहा कि रात्रि के समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर बेहतर रोशनी होना अत्यंत आवश्यक है।

समन्वय के साथ करें कार्य

कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा को सभी संबंधित विभागों की साझा जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी निर्माणाधीन और सुधारात्मक कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए।

खैरलांजी महाविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित

नवभारत बालाघाट। शासन के निर्देशानुसार जुलाई माह को डेंगू निरोधक माह के रूप में मनाए जाने के तहत वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय, खैरलांजी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता (डेंगू माह) पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी के चिकित्सा विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को डेंगू एवं मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रतिभा राजपूत की अध्यक्षता एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में हुआ। शिविर का उद्देश्य वर्षा ऋतु में फैलने वाली बीमारियों, विशेषकर डेंगू, के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना था।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी से डॉ. संतोष मानेश्वर एवं डॉ. तरुणा टेंभरे (सीएचओ) ने विद्यार्थियों को डेंगू के कारण, लक्षण एवं बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डेंगू फैलाने वाला मच्छर साफ एवं ठहरे हुए पानी में पनपता है, इसलिए कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, पुराने टायरों एवं अन्य स्थानों पर पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। विशेषज्ञों ने बताया कि तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द तथा जोड़ों में तेज दर्द डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत निकटतम शासकीय अस्पताल में जांच एवं उपचार कराना चाहिए।

स्वैच्छिकता पर्व के तहत नवांकुर सखियों ने नवग्रह वाटिका में किया पौधरोपण

नवभारत बालाघाट। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्वैच्छिकता पर्व के तहत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, बैहर द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार तथा कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश एवं जिला समन्वयक महेश पटले के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में कोहका एवं भंडेरी में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वीर नारायण जन कल्याण समिति एवं श्रीराम शैक्षणिक एवं समाज कल्याण समिति द्वारा सेक्टर बैहर एवं भंडेरी में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया गया। इस दौरान नवांकुर सखियों ने कोहका के शाला परिसर तथा भंडेरी की नवग्रह वाटिका में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में नवांकुर सखियों एवं ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण और नशा मुक्ति का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला समन्वयक महेश पटले ने कहा कि पर्यावरण मानव जीवन का अभिन्न अंग है। यदि पर्यावरण शुद्ध नहीं रहेगा तो अनेक प्रकार की बीमारियां जन्म लेंगी। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें शुद्ध वायु, वर्षा, जल और जीवन के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करते हैं।

अभियान | एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान आयोजित

छात्र-छात्राओं द्वारा रील्स निर्माण, शॉर्ट फिल्म का हुआ प्रदर्शन

नवभारत, बालाघाट। शासकीय शंकरसाव पटेल महाविद्यालय, वारासिवनी में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत 15 से 30 जुलाई तक विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. एस.एस. गेडाम के मार्गदर्शन तथा डॉ. हेमंत कुमार मण्डाले (एनसीसी अधिकारी) एवं कृष्णा पराते (एनएसएस अधिकारी) के नेतृत्व में अभियान की शुरुआत नशा मुक्ति शपथ के साथ हुई। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा रील्स निर्माण, शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन एवं अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभियान के अंतर्गत आयोजित विशेष व्याख्यान में थाना प्रभारी वारासिवनी अनुप कुमार उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर अनुशासित जीवन अपनाने और नशा मुक्ति हेल्पलाइन 14446 का उपयोग कर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. हेमंत कुमार मण्डाले एवं डॉ. रक्षा निकोसे ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को प्रभावित करता है। उन्होंने विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में कृष्णा पराते एवं नरेन्द्र कुमार डोंगरे ने भी विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर बालाघाट पुलिस द्वारा ऑनलाइन नशा मुक्ति शपथ एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अतिथि विद्वान, एनसीसी, एनएसएस, रेड रिबन क्लब, स्पोर्ट्स विभाग के सदस्य तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही।

लालबर्रा महाविद्यालय में भी आयोजित हुआ कार्यक्रम

शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति एवं जन-जागरूकता विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. देवराज चैरे ने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं नशामुक्त युवा ही राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। व्याख्यान के दौरान प्रो. सुमन बरवा ने कहा कि नशा उन्मूलन केवल शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

पीजी कॉलेज के कार्यक्रम में 400 विद्यार्थी रहे शामिल

नवभारत, बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में 'नशा मुक्त भारत खुशहाल भारत 2.0' अभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 400 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. गजानन कटरे तथा राष्ट्रीय सेवा योजना बालक इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद्र ऐड़े ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, शराब एवं अन्य मादक पदार्थों से दूर रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर नशा मुक्ति विषय पर पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेट्स एवं छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से नशा मुक्ति की शपथ ली और स्वयं नशे से दूर रहने के साथ परिवार एवं समाज को भी जागरूक करने का संकल्प लिया।

आम सूचना (राजपत्र)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, सतीश पटेल, आत्मज श्री तिलकचंद पटेल, निवासी ग्राम सिगोडी पोस्ट हट्टा जिला बालाघाट, यह घोषित करता हूँ कि मेरी शैक्षणिक मार्कशीट और आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम राजसेन अंकित हो गया है। जबकि मेरे अन्य सभी सरकारी दस्तावेजों में मेरा वास्तविक और सही नाम सतीश पटेल दर्ज है।

सतीश पटेल और राजसेन अलग-अलग व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि एक ही व्यक्ति (यानी मेरे) दो नाम हैं। भविष्य में मुझे केवल मेरे वास्तविक और कानूनी नाम सतीश पटेल के नाम से ही जाना और पहचाना जाए।

सशपथी (आवेदक)
सतीश पटेल